

State Governments and not for individual Schemes. Grants-in-aid to the extent of Rs. 54.81 lakhs and Rs. 58.59 lakhs (excluding assistance in kind for Malaria and Filariasis amounting to Rs. 40.57 lakhs in 1960-61 and Rs. 34.73 lakhs in 1961-62) were sanctioned to the Government of Orissa during 1960-61 and 1961-62 respectively for all Centrally aided Schemes which include Leprosy Control Scheme and T.B. No. provision has been made during the Third Five Year Plan of the Union Health Ministry for the control of Yaws. Grants amounting to Rs. 1,200 and Rs. 44,400 were sanctioned to voluntary institutions in Orissa during 1960-61 and 1961-62 respectively for the control of Leprosy.

रेल के चोर

२४३३. { श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री प्र० चं० सामन्त :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १४ मार्च, १९६२ को और उसके बाद रेलवे माल के चोरों के जिस गुट को गिरफ्तार किया गया था उसके कुल व्यक्ति १५ अप्रैल, १९६२ तक पकड़े जा चुके हैं,

(ख) क्या इस गुट के और भी व्यक्ति अभी गिरफ्तार होने बाकी हैं और यदि हां, तो कितने ;

(ग) इस गुट ने रेलवे माल की सूचना के अनुसार कितनी चोरियां विभिन्न गाड़ियों में कीं और इस चुराये गये माल का क्या मूल्यांकन है ;

(घ) चोरी गया कितना माल कहां और किसके पास से बरामद हुआ है; और

(ङ) क्या इस तरह के और भी कुछ गिरोह रेलगाड़ियों में सक्रिय हैं ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री स० ब० रामस्वामी) : (क) सात ।

(ख) और (ग). अभी पुलिस इस मामले को जांच कर रही है । लेकिन इस गिरोह द्वारा चुराये गये माल की कुल कीमत ३७,६०६ रुपये ५३ नये पैसे आंकी गयी है ।

(घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है [द्विखिये परिशिष्ट ३, प्रनबन्ध संख्या ७८]

(ङ) जी नहीं ।

Postal Delivery Services in Villages

2434. Shri Shree Narayan Das: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) the number of villages in the country where weekly or over a week postal delivery services still continue;

(b) whether efforts are being made to reduce this number to the minimum in the near future; and

(c) if so, the details thereof?

The Minister of Transport and Communications (Shri Jagjivan Ram): (a) 80,098.

(b) and (c) Yes. By opening more post offices, entertaining additional delivery staff, increasing the allowance of the delivery staff and by replacing runners' lines by more expeditious means of transport like motor vehicles, cycle carriers, etc.

परिवार नियोजन

२४३५. श्री प्रकाश चौर शास्त्री :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने कृपा करेंगे कि :

(क) क्या परिवार नियोजन के लिए जो खाई जाने वाली गर्भनिरोधक औषधियों का परीक्षण जल रहा था, वह पूर्ण हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसमें कहां तक सफलता मिली है ;

(ग) परिवार नियोजन के लिये प्रमाणित और औषधि प्रयोग के अतिरिक्त क्या सामाजिक स्तर पर प्रचार की भी कोई योजना है ; और

(घ) यदि हां, तो क्या इस में गैर-सरकारी संस्थाओं का सहयोग भी प्राप्त किया गया है, और यदि हां, तो इस का व्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :

(क) जी नहीं । खाये जाने वाले गर्भरीषकों पर अनुसंधान कार्य चल रहा है ।

(ख) बहुत सी औषधियां जिनका परीक्षण किया गया था अप्रभावकारी पाई गयी हैं । एक औषधि (मेटाक्सिलोहाइड्रो-क्विनान) लग भग ५० प्रतिशत मामलों में प्रभावकारी जान पड़ती है ।

(ग) और (घ). जी हां । सामाजिक स्तर पर परिवार नियोजन का प्रचार राज्य सरकारों, स्थानिक निकायों, अवैतनिक परिवार नियोजन शिक्षा नेताओं, तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम में लगे स्वयंसेवी संगठनों द्वारा चालू किये गये परिवार नियोजन निर्धारण कैम्पों द्वारा किया जाता है । भारत सरकार ६० व्यक्तियों के त्रिदिवसीय परिवार नियोजन निर्धारण कैम्प के लिए ६०० रुपये अथवा ४० व्यक्तियों के ऐसे ही कैम्प के लिए ४००) रुपये का व्यय स्वीकृत करती है । इन कैम्पों को चलाने के प्रस्ताव सामान्यतया राज्यों के स्वास्थ्य सेवा निर्देशकों की सिफारिशों पर स्वीकृत किये जाते हैं ।

इसके अतिरिक्त अवैतनिक डिविजनल परिवार नियोजन शिक्षा नेता तथा अवैतनिक जिला परिवार नियोजन शिक्षा नेता भी परिवार नियोजन का प्रचार करते हैं । इन्हें कुल मिला कर क्रमशः ४०००) रुपये तथा २०००) रुपये वार्षिक सहाययानुदान दिया जाता है ताकि ये यात्रा अपने ठहरने,

खाने और अपने क्षेत्रों में परिवार नियोजन पर सामाजिक बैठकों तथा चर्चाओं के आयोजन के संबंध में अपेक्षित वलेरिकल सहायता पर होने वाले खर्च की पूर्ति कर सकें ।

उत्तर और पश्चिम रेलवे में राज्य पुलिस

२४३६. श्री प० सा० बारूपाल :
क्या रेल मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर और पश्चिम रेलवे की सवारी गाड़ियों के अन्दर अभी तक राज्य सरकारों की पुलिस कार्य कर रही है ; और

(ख) यदि हां, तो जनवरी, १९५७ से जनवरी, १९५९ तक उन्होंने कितने चोरी के मामलों को पकड़ा ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सें० बें० रामस्वामी) : (क) जी हां । सम्बन्धित राज्यों की रेलवे पुलिस अपने-अपने अधिकार-क्षेत्र की सभी रेलों पर कार्य करती है, जिनमें उत्तर और पश्चिम रेलों भी शामिल हैं ।

(ख) जनवरी, १९५७ से जनवरी, १९५९ तक की अवधि में रेलवे पुलिस ने उत्तर और पश्चिम रेलों में सवारी गाड़ियों में चोरी के क्रमशः २१८ और ५०३ मामले पकड़े ।

Agricultural Education and Research

2437. **Shri Subodh Hansda:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether the report of the Second Joint Indo-American Team on Agricultural Education and Research has been considered by Government;

(b) if so, whether all the recommendations have been accepted by Government?